। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । बुधवार 2 जुलाई 2008

ओलिव ऑयल की कीमतें स्थिर रहेंगी

वाप्र ॥ नई दिल्ली : इंडियन ओलिव असोसिएशन के प्रेजिडेंट वी. एन. डालमिया ने कहा है कि देश में ओलिव ऑयल की कीमतें स्थिर रहेंगी। सरकार ने पहली अप्रैल से इम्पोर्ट ड्यूटी घटा कर 7.5 फीसदी कर दी, इसके बावजूद अनुमानों के विपरीत इसके दाम में गिरावट नहीं आएगी।

अप्रैल में वी.एन. डालमिया ने कहा था कि अगर एक्सचेंज दरें स्थिर रहीं तो ड्यूटी कटौती के बाद नए इम्पोर्ट पर ओलिव ऑयल की कीमतों में 10 से 15 फीसदी की गिरावट की उम्मीद है। ओलिव ऑयल कंपनियों की ओर से वी. एन. डालमिया ने कहा कि यूरो की दरों में बढ़ोतरी ने कंपनियों को ओलिव ऑयल की कीमत घटाने से रोका था।

ओलिव ऑयल की कीमतों में स्थिरता दूसरे तेलों के दामों में बढ़ोतरी को देखते हुए अच्छा पक्ष माना जा रहा है। ओलिव ऑयल जो कभी सूरजमुखी के तेल से 10 गुणा ज्यादा कीमत का था, आज तीन गुणा से भी कम कीमत का है। महंगाई के बावजूद ओलिव ऑयल कंपनियों ने कीमतों को थाम रखा है। ओलिव ऑयल के स्वास्थ्य संबंधी गुणों को देखते हुए यह ग्राहकों के लिए बढ़िया प्रॉडक्ट के तौर पर देखा जा रहा है।